श्री राजराजेश्वर्यष्टकम्

अम्बा शाम्भवि चन्द्रमौलि रबला अपर्णा उमा पार्वती
काली हैमवती शिवा त्रिनयनी कात्यायनी भैरवी ।
सावित्री नवयौवना शुभकरी साम्राज्य लक्ष्मीप्रदा
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्री राजराजेश्वरी ॥ १॥

अम्बा मोहिनि देवता त्रिभुवनी आनन्द संदायिनी
वाणी पल्लवपाणि वेणुमुरली गानप्रिया लोलिनी ।
कल्याणी उडुराज बिम्ब वदना धूम्राक्ष संहारिणी
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्री राजराजेश्वरी ॥ २॥

अम्बा नूपुररत्न कङ्कणधरी केयूर हारावली
जाती चम्पक वैजयंति लहरी ग्रैवेय कैराजिता ।
वीणावेणु विनोद मण्डित करा वीरासने संस्थिता
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्री राजराजेश्वरी ॥ ३॥

अम्बा रौद्रिणि भद्रकालि बगला ज्वालामुखी वैष्णवी
ब्रह्माणी त्रिपुरान्तकी सुरनुता देदीप्य मानोज्वला ।
चामुण्डा श्रितरक्ष पोषजननी दाक्षायणी वल्लवी
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्री राजराजेश्वरी ॥ ४॥

अम्बा शूलधनुः कशाङ्कुशधरी अर्धेन्दु बिम्बाधरी
वाराही मधुकैटभ प्रशमनी वाणी रमा सेविता ।
मल्लद्यासुर मूकदैत्य मथनी माहेश्वरी चाम्बिका

चिद्रूपी परदेवता भगवती श्री राजराजेश्वरी ॥ ५॥

अम्बा सृष्ट विनाश पालनकरी आर्या विसंशोभिता
गायत्री प्रणवाक्ष रामृतरसः पूर्णानुसंधी कृता ।
ओङ्कारी विनता सुतार्चित पदा उद्दण्ड दैत्यापहा
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्री राजराजेश्वरी ॥ ६॥

अम्बा शाश्वत आगमादि विनुता आर्या महादेवता
या ब्रह्मादिपि पीलि कान्त जननी या वै जगन्मोहिनी ।
या पञ्च प्रणवादि रेफजननी या चित्कला मालिनी
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्री राजराजेश्वरी ॥ ७॥

अम्बा पालित भक्त राज दनिशं अम्बाष्टकं यः पठेत्
अम्बा लोल कटाक्ष वीक्ष ललितं चैश्वर्य मव्याहतम् ।
अम्बा पावन मन्त्र राज पठनात् अन्ते च मोक्षप्रदा
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्री राजराजेश्वरी ॥ ८॥

॥ इति श्री राजराजेश्वर्यष्टकं सम्पूर्णम् ॥